

माइंड स्पार्क कानिवाल का किया गया आयोजन

सुमित श्रीवास्तव



लखनऊ। ब्रिजिड मेरेलन्स कॉन्टेंट्स्कूल में 22 तारीख को माइंड स्पार्क कानिवाल का आयोजन किया गया जो बहुत ही जनकारी पूर्ण, जनाचारी और रोमांचक था। इस आयोजन में बच्चों ने कही मेहनत की और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, मात्र तिता ने भी बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के जनाचारी और रचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करना था। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के स्टॉल्स और प्रदर्शनियों के माध्यम से ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेलिन सल्डाना (सेंट पाल्स दिल्ली) ने अपने प्रेरक भाषण में बच्चों को सदा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया इस सफल आयोजन के लिए सिस्टर क्लेयर (मैनेजर),

(सिस्टर लिजी (वाइस प्रिंसिपल) और सिस्टर ज्योति ने बहुत सहयोग किया। इस आयोजन को सफल बनाने में स्कूल के शिक्षकों, माता पिता और बच्चों का सहयोग रहा

स्कूल के प्रधानाचार्य सिस्टर कृष्णा मारिया ने कहा हम अपने बच्चों की प्रतिभा पर गर्व है। यह आयोजन हमारे बच्चों के लिए एक अच्छा अवसर था अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का।

बीबीडी पुलिस व वन विभाग की मिलीभगत से हरे-भरे पेड़ों की कटान जारी



कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट, बीबीडी लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र के चंदिया मऊ गांव के पास एस्टापी चौकी इलाके में लकड़ी माफिया, स्थानीय बीबीडी पुलिस एवं स्थानीय वन विभाग कर्मियों की मिलीभगत से हरे आम के पेड़ों की कटान धड़ल्से से जारी है। स्थानीय लोगों

के अनुसार ग्राम चंदिया मऊ गांव के पास गत के अंधेरे में बीबीडी पुलिस, वन विभाग कर्मियों के शह पर लकड़ी माफिया ने एक दर्जन से अधिक फलदार आम के पेड़ों को काट कर गिर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, काटे गए सभी पेड़ बारे से लदे हुए थे। यह कटाई बिना किसी अधिकारिक

प्रत्यारोपी की गई है। इस मंथन सत्र में डॉ. अनिल कौल, लंदन स्कूल ऑफ हाईजीन एंड ट्रायांकल मेडिसिन, यूके, डॉ. डैनियल गोल्डर्ग, बिल एंड मेलिन गेट्स फारेंडेशन, यूएस, प्रोफेसर क्रिस्टोफर आर. मैकडी, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा, यूएस, प्रोफेसर इयान एच. गिलर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ डंडी, यूके और डॉ. राधा रंगाजन, निदेशक, सी-एसआई-आर-सी-डीआरआई, लखनऊ,

पैनलिस्ट रहे।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट, बीबीडी लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र के चंदिया मऊ गांव के पास एस्टापी चौकी इलाके में लकड़ी माफिया, स्थानीय बीबीडी पुलिस एवं स्थानीय वन विभाग कर्मियों की मिलीभगत की गई है।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नमजद शातिर अभियुक्त सूरज यादव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सूरज पर हत्या का मुकदमा दर्ज था, बिजौरी की घसियारी मंडी निवारी पूजा लोधी के मर्डर में

प्रत्यारोपी की गिरफ्तारी का आरोपी के लिए एक फरवरी की साथ तक कुल 82239 आवेदन अनलाइन प्राप्त हुए हैं और इसमें 424 करोड़ रुपये की प्रोसेसिंग फीस मिली है। यह जानकारी आवकारी आयुक्त आर्स्ट सिंह ने दी। आवकारी आयुक्त ने कार्रवाई की आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी के माध्यम से आवेदन के लिए 21 फरवरी की साथ तक कुल 82239 आवेदन अनलाइन प्राप्त हुए हैं और इसमें 424 करोड़ रुपये की

प्रोसेसिंग फीस मिली है। यह जानकारी आवकारी आयुक्त ने कार्रवाई की आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हुए। लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन है और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हुए। लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन है और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो अन्य किसी कारण से जमा नहीं है, वो आवेदन कर सकता है। ई-लाटरी आपामी 06 मार्च, 2025 को खोली जाएगी। पारस्ती रूप से अनुज्ञापियों का चयन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नमजद शातिर अभियुक्त सूरज यादव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

सूरज पर हत्या का मुकदमा दर्ज था, बिजौरी की घसियारी मंडी निवारी पूजा लोधी के मर्डर में

प्रत्यारोपी की गिरफ्तारी का आरोपी के लिए एक फरवरी की साथ तक कुल 82239 आवेदन अनलाइन प्राप्त हुए हैं और इसमें 424 करोड़ रुपये की

प्रोसेसिंग फीस मिली है। यह जानकारी आवकारी आयुक्त ने कार्रवाई की आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हुए। लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन है और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो अन्य किसी कारण से जमा नहीं है, वो आवेदन कर सकता है। ई-लाटरी आपामी 06 मार्च, 2025 को खोली जाएगी। पारस्ती रूप से अनुज्ञापियों का चयन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नमजद शातिर अभियुक्त सूरज यादव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

सूरज पर हत्या का मुकदमा दर्ज था, बिजौरी की घसियारी मंडी निवारी पूजा लोधी के मर्डर में

प्रत्यारोपी की गिरफ्तारी का आरोपी के लिए एक फरवरी की साथ तक कुल 82239 आवेदन अनलाइन प्राप्त हुए हैं और इसमें 424 करोड़ रुपये की

प्रोसेसिंग फीस मिली है। यह जानकारी आवकारी आयुक्त ने कार्रवाई की आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हुए। लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन है और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो अन्य किसी कारण से जमा नहीं है, वो आवेदन कर सकता है। ई-लाटरी आपामी 06 मार्च, 2025 को खोली जाएगी। पारस्ती रूप से अनुज्ञापियों का चयन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नमजद शातिर अभियुक्त सूरज यादव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

सूरज पर हत्या का मुकदमा दर्ज था, बिजौरी की घसियारी मंडी निवारी पूजा लोधी के मर्डर में

प्रत्यारोपी की गिरफ्तारी का आरोपी के लिए एक फरवरी की साथ तक कुल 82239 आवेदन अनलाइन प्राप्त हुए हैं और इसमें 424 करोड़ रुपये की

प्रोसेसिंग फीस मिली है। यह जानकारी आवकारी आयुक्त ने कार्रवाई की आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि भारत का जनाचारी अवसर 2025-26 के अन्तर्नाल उत्तर प्रदेश की समस्त 27,308 देशी मदिरा, कम्पोजिट शाप, माडल शाप एवं गांव की कटूकर दुकानों की ई-लाटरी हेतु पंजीकरण 14 फरवरी, 2025 से शुरू हो चुका है। 17 फरवरी से पंजीकरण के साथ आवेदन भी आरम्भ हुए। लाटरी की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण रूप से आनलाइन है और आवेदक के लिए समस्त अभिलेख एवं प्रोसेसिंग फीस आनलाइन ही जमा किये जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो अन्य किसी कारण से जमा नहीं है, वो आवेदन कर सकता है। ई-लाटरी आपामी 06 मार्च, 2025 को खोली जाएगी। पारस्ती रूप से अनुज्ञापियों का चयन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीडीओ को ब्लाक कार्यालय भादर के औचक निरीक्षण में मिलीं खामियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सुरज पटेल ने शनिवार को खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय भादर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी रतन कुमार सिंह अपने अधीनसंथ अधिकारियों पर कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने कार्यालय कक्ष में इंटरेन्ट वार्यांग और अन्य विद्युत केबलों की अवश्य व्यवस्थाओं पर लेकर असंतोष व्यक्त किया। साथ ही, मनरेगा सेल के क्षेत्रों कक्ष में अधिलेखों के खरखाल और स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर सीडीओ भादर को निरेंश दिया कि वह जल्द से जल्द इन कमियों को सुधारें और ग्राम पंचायत वार अधिलेखों को अलमारी में अद्यतन करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके बाद सीडीओ ने कार्यालय प्रांगण में निरीक्षण के दौरान मनरेगा शिक्षकों को उत्साहित किया।

भवन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परियोजना स्थल पर कोई भी श्रमिक कार्यरत नहीं मिला जिस पर उन्होंने नाराजी जताई। उन्होंने कार्यालयी संस्था आवास विकास के अधिकारी अधिवक्ता को कारण बातों पर नोटिस जारी करने के निरेंश दिया और परियोजना को निरापत्ति दिया। साथ ही, मनरेगा सेल के क्षेत्रों कक्ष में अधिलेखों के खरखाल और स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर सीडीओ भादर को निरेंश दिया कि वह जल्द से जल्द इन कमियों को सुधारें और ग्राम पंचायत वार अधिलेखों को अलमारी में अद्यतन करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके बाद सीडीओ ने कार्यालय प्रांगण में निरीक्षण के दौरान मनरेगा शिक्षकों को उत्साहित किया।

साथ ही,

पर्याप्त

रेखा के हवाले दिल्ली

ढा

द्वादश दिन जारी करने के बाद भाजपा के उपरांत ग्यारह दिन की गोपनीयता के बाद बुधवार को नये मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के नाम का खुलासा हुआ। बृहस्पतिवार को तमाम तामग्नाम के साथ रामलीला मैदान में उनका राज्याभिषेक भी हो गया। प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों, राजग के घटक दलों के नेताओं और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों तथा भाजपा के दिग्जों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के अलावा छह मंत्रियों ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता ने दिल्ली को संपन्न, विकसित, आत्मनिर्भर बनाकर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के संकल्प जताया। वे सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित व आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। यह संयोग ही है कि वे भी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद के जरीबाल की तरह वैश्य विरासी से ताल्लुक रखती हैं और हरियाणा मूल की तीसरी मुख्यमंत्री हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिला बोटरों ने राजनीतिक परिदृश्य बदलने में निर्णीयक भूमिका निभाई है। फलतरू राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिये लुभावनी योजनाएं घोषित की हैं। ऐसी योजनाओं का असर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखण्ड के हालिया चुनावों में देखने को भी मिला है। ऐसे में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने महिला मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया है कि महिलाएं उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने महिलाओं को हर माह पच्चीस सौ रुपये देने का वायरा इसी मकसद से किया था। वैसे ऐसी ही घोषणाएं कांग्रेस व आप ने भी की थी। उल्लेखनीय तथ्य है कि भाजपा शासित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में रेखा गुप्ता पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं दूसरी ओर एक बार उनके चयन से भाजपा ने फिर साबित किया कि संघ व उसके आनुषंगिक संगठनों से आये नेताओं को ही शीर्ष पदों के चयन में वरीयता दी जाती है। वहीं रेखा गुप्ता इस मायने में भायाशाली हैं कि वे पहली बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री का ताज हासिल करने में सफल रही हैं। हालांकि, वह भाजपा के विभिन्न संगठनों में पिछले तीन दशकों से सक्रिय रही हैं और तीन बार दिल्ली नगर निगम पार्षद भी रही हैं। हालांकि, इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाये जाने को लेकर खूब चर्चा रही। इसकी वजह उनकी राजनीतिक विरासत के अलावा, उनका आप सुप्रीमो अरविंद के जरीबाल को हराना भी था। जनता ने भी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की टक्कर का मानकर जिताया। कयास लगाये जा रहे थे कि कई कारणों से नाराज जात समुदाय को मनाने की कोशिश में उन्हें यह पद मिल सकता है। लेकिन जैसा कि भाजपा की रणनीति रही है, वह राजनीति में परिवारवाद के तमगे से बचने का प्रयास करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद का विरोध भाजपा का मुख्य एजेंडा भी रहा है। कुछ विवाद भी प्रवेश वर्मा की बयानबाजी को लेकर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक मर्यादा को लाघने वाले रेखा गुप्ता के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं। वैसे तो भाजपा कह सकती है कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा देगी। लेकिन नई मुख्यमंत्री को आप सरकार के शैक्षिक सुधारों, मुफ्त बिजली-पानी, मोहल्ला क्लीनिक व अन्य लोककल्याण के कार्यक्रमों के बड़े विकल्प देने होंगे। दिल्ली की जनता लगातार प्रदूषण, जल भराव, विकास, कूड़े के ढेरों तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रही है। पूर्व मुख्य मंत्रियों व एलजी से टक्कर के चलते दिल्ली के विकास की गति थम सी गई थी। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें बेटियों की सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि फिर दिल्ली में निर्भया कांड जैसे हादसे न हों। वहीं चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख एजेंडे में शामिल रही यमुना की सफाई को भी उन्हें अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। वहीं उन्हें ध्यान रखना होगा कि भले की आम आदमी पार्टी सत्ता से बाहर हुई हो, लेकिन अच्छे-खासे विधायकों के साथ वह एक मजबूत प्रतिरोधी विपक्ष के रूप में विधानसभा में मौजूद है।

शांति की संस्कृति एवं समझ को विकसित करने जरूरत

ਵਿਖੇ ਰਾਤ ਆਰ ਸਨੌਰ ਦਿਵਸ ਪਰ ਵਿਖਾ

के शास्त्रीय एवं साहित्यिक समाज के निमाओ, विवरण संस्कृतियों, धर्मों और क्षेत्रों के बीच सद्भाव, करुणा और सहयोग की स्थायी भावना की अपेक्षा को आकार देने के लिये हर वर्ष विश्व शांति एवं समझ दिवस 23 फरवरी को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह अवसर मानवीय सेवा, शांति और सद्भावना के प्रतीक रोटरी इंटरनेशनल की संस्थापक बैठक से जुड़ा है, जो एक अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा देने के लिए दुनिया में सामूहिक जिम्मेदारी का एक मार्मिक अनुसारक एवं महां अनुष्ठान है। साल 2025 में इस दिवस का उद्देश्य दुनियाभर में शांति और समझ को बढ़ावा देते हुए शांति की संस्कृति का विकास करना है। यह विषय एक ऐसी दुनिया की दिशा में सक्रिय रूप से

काम करने के महत्व पर जोर देता है जहाँ शांति की समझ केवल एक आकांक्षा नहीं बल्कि हमारे दैनिक जीवन, व्यवहार और बातचीत का एक हिस्सा हो। यह दुनिया में संघर्ष को रोकने के लिए विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों के लिए सहानुभूति और समाज को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है एवं शांति की संस्कृति को विकसित करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों से सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को उजागर करता है। दुनिया में प्रेम-भाईचारा और शांति को बनाए रखना एवं हिंसारहित दुनिया निर्मित करना भी इस दिवस का थ्येय है। रोटरी इंटरनेशनल की यात्रा 1905 में पॉल पी. हैरिस के साथ शुरू हुई, जिन्होंने राजनीति और धर्म की सीमाओं से परे विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवरों को शामिल करते हुए एक भाईचारे एवं बधुत्व भावना की कल्पना की थी। यह दृष्टिकोण पहले रोटरी क्लब में साकार हुआ, जिसे आधिकारिक तौर पर 1908 में शामिल किया गया था, जिससे एक ऐसे अंदोलन की शुरुआत हुई जिसने अंततः एक वैश्विक आयाम ग्रहण किया। पहले प्रमुख अमेरिकी शहरों और बाद में दुनियाभर में रोटरी क्लबों की स्थापना ने 1925 तक रोटरी इंटरनेशनल के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त की, आज, 200 से अधिक देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में है।

करके अंधेरे को नहीं देखा जा सकता। इसी प्रकार अशांति से शांति को नहीं देखा जा सकता। शांति को देखने के लिए आँखों में अहिंसा, करुणा एवं प्रेम का उजाला आंजने की अपेक्षा है। पुष्टी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और धृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूं तो 'विश्व शांति' का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन विश्व युद्ध की संभावनाओं के बीच इसकी आज अधिक प्रासंगिकता है। अपनों का साथ स्वर्ग है तो शरुओं का साथ नरक। प्रेम व मित्रता की ओर बढ़ना, स्वर्ग की ओर बढ़ना है। वैर व धृणा की ओर कदम बढ़ाना अपने नरक को खड़ा करना है। स्वर्ग में रहना है या फिर नरक में, ये चुनाव हमारा अपना है। लेकिन इस दृष्टि से यह विश्व शांति और समझ दिवस अधिक प्रासंगिक है और हमारी शांति की समझ को व्यापक बनाता है। इंजराइल और हमास में युद्ध विराम समझौते के बाद दुनिया चाहती है कि रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विघ्नसंकट की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही रास्तों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है। इसी तरह अनेक राष्ट्र आतंकवाद से त्रस्त हैं। इन विकट एवं विकराल होती विश्तियों के बीच इस साल विश्व शांति और समझ दिवस की 118वीं लंबा रास्ता तय करना है। रोटरी क्लब अपने सदस्यों को, स्थानीय क्लब के स्तर पर किए गए कार्यों से, स्थानीय और विश्व समुदाय की सेवा करना का अवसर प्रदान करता है। इसका ध्येय है- सत्य, न्याय, लोगों के बीच संबंधों में सुधार और विश्व शांति। उम्मीद है कि इसका नतीजा युद्धों वे अंत के रूप में सामने आएगा। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक कुचेष्टाओं से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, तबिंह उनके सैन्य साजो-सामान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिसको एक इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो-सामान उद्योग विश्व में बड़ा उद्योग के तौर पर उभरा है। हिंसा, आतंक एवं अशांति विश्व की ज्वलन समस्याएं हैं। अहिंसा, करुणा एवं शांति ही इन समस्याओं का समाधान है। अहिंसा सब्जूयोगेमकरी-विश्व के समस्त प्राणियों का कल्याण करना वाली तेजोमयी अहिंसा की ज्योति पर जो राख आ गई, उसे दूर करने वे लिए तथा अहिंसा की शक्ति पर लगे जंग को उतार कर उसकी धारा व तेज करने के लिए अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाज रचना की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया में विश्वशांति एवं अहिंसा की स्थापना वे लिये प्रयत्नशील है, समूची दुनिया भारत की ओर आशाभरी नर्जों से देर रही है कि एक बार फिर शांति एवं अहिंसा का उजाला भारत करें। कुल लोग कह सकते हैं-एक दिन विश्व शांति और समझ दिवस मना भी लिया जाएगा। तो क्या हुआ? लेकिन ऐसे दिवस की बहुत सार्थकता है, उपयोगिता है। इससे अंतर-वृत्तियां उद्भुद्ध होंगी, अंतरमन से शांति की समझ का अपनाने की आवाज उठेगी और हिंसा, अशांति, तनाव एवं में लिया गया वृत्तियों में शांति की समझ आएगी। -ललित गर्ग

छ लाग ह्यूम के नाम पर समाज में गंदगो फेला रहे हैं। एसा केटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंस अपनी करारूत पर माफी मांग लेते हैं। सवाल यह है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग

प्रियंका सौरभ

न पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव के लिये सबसे गत्ता परिवर्तनों और सब

पर इनका माझा माग लेना काफ़ी ह था बड़ा एकशन हाना चाहये? सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट ब्रेंड' पर 'आचिन्तक' विप्राणियों की सिद्धा की। परेंट्स लोगों को

लैटर्टे' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निरा की। ऐसे लोगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, अगर जनता गंदगी परोसने वाले ऐसे चैनलों और मंचों का बहिष्कार करना शुरू कर दे तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। गंदगी परोसने वाले ऐसे सरे कार्यक्रम जो ओटीटी, टीवी आदि पर हैं, सब बंद होना चाहिए। ऐसा बल्लर कंटेंट हमारे देश की संस्कृति को तबाह कर देगी। यह निर्दीशी है और सभ्य समाज के लिए गलत भी। ऐसे लोग सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे हैं। ऐसी धननीती मानसिकता वाले लोगों को देखना व सुनना, आज के समाज का भी कसरू है। ऐसे लोगों का सापाजिक बहिष्कार होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने रणवीर इलाहाबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे "'उनके दिमाग की गंदगी'" कहा। इलाहाबादिया के शब्दों की निरा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, इलाहाबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से पूरा समाज शर्मिदा महसूस करेगा। यह मापता डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भष्ट नहीं होगी? तर्कीन हंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि 'मजाक' के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातोंरात नहीं तबाह होता -इसकी शुरूआत असहनीय को सहन करने, धृष्टि को 'सिर्फ हास्य' के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को खंभन करने से होती है। कानूनी कार्यवाही का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल क्यायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षण को रोकने के लिए मौजूद है। अगर आप 'यह सिर्फ एक मजाक है' के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति बेपरवाह हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई बहुत ज़रूरी है। आपका यह तर्क कि हमें 'मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए' मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों हैं। हास्य में शक्ति होती है और शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है। 'मजाक' कहलाने वाली हर बात हासिलित नहीं होती। कुछ हास्य हानिकारक व्यवहार को सामान्य बना देता है। यदि कोई मजाक अनादर, असंवेदनशीलता या नैतिक सीमाओं को लाघने पर आधारित है, तो यह सबाल उठाना उचित है कि क्या यह समाज का उत्थान करता है या पतन करता है। आलोचना का मतलब 'घटिया मानसिकता' रखना नहीं है; यह संस्कृति पर विषय-वस्तु के प्रभाव को पहचानने के बारे में है।

त ल्दी के बिना भारतीय वि-

५ काइ सज्जा बनाता हा। शिन हा नहा, थह रूप निखारने के साथ?साथ अन्य कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करता है। यूं तो हल्दी का प्रयोग कई तरह से किया जाता है लेकिन अगर दूध में हल्दी कसर से खुद का बचाव कर सकत हा। नह हांग बीमारियां- कुछ लोगों को मौसम बदलते ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है लेकिन अगर हल्दी के दूध का सेवन किया जाए तो

मिलाकर इसका सेवन किया जाए तो कई तरह की बीमारियों से बेहद आसानी से राहत पाई जा सकती है। माद्ग्रेन में लाभकारी- अगर आपको सिर में काफी तेज दर्द हो रहा है तो हल्दी का दूध पीना वास्तव में फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, हल्दी का दूध खून को पतला करके रक्तसंचार को बेहतर बनाता है जिससे सिरदर्द की समस्या से निजात मिलती है। चोट लगने पर - अगर कभी किसी कारणवश चोट लग जाए तो गर्म दूध में हल्दी डालकर सेवन करना चाहिए। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले औषधीय तत्व चोट को जल्द ठीक करने में मदद करते हैं। साथ ही हल्दी के एंटी?बैक्टीरियल तत्व संक्रमण से भी बचाता है। जिससे चोट लगने पर इंफेक्शन की संभावना कम हो जाती है। कैंसर से बचाव- हल्दी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो कैंसर उत्पन्न करने वाले सेल्स को नष्ट करता है। जिसके कारण कैंसर से लड़ने में मदद इससे व्यक्ति की रोग?प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है खासतौर से, बदलते मौसम में होने वाले जुखाम, खांस व अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव में हल्दी का दूष्ट एक रक्षा कवच की तरह काम करता है। अनिद्रा से राहत- आज के समय में लोग जिस तरह तनावग्रस्त हैं उसका विपरीत असर नींद पर दिखाई देता है। लोकिन अगर रात को सोने से पहले हल्दी के दूध का सेवन किया जाए तो इससे मस्तिष्क में सेरोटोनिन का उत्पादन अधिक होता है और व्यक्ति को काफी अच्छी नींद आती है। लीवर के लिए लाभदायक- आपको शायद मालूम न हो लोकिन हल्दी का दूध लीवर के लिए काफी उपयोगी है। अगर इसे डाइट का हिस्सा बनाया जाए तो फैट्टे लीवर या लीवर स्प्रेसिस जैसी बीमारियों से स्वयं का सुरक्षित किया जा सकता है। ऐसा हल्दी वे डीटोक्सीफार्मिंग गुण के कारण होता है, जो हानिकारक रसायनों से लिवर को प्रभावित नहीं होने देता।

प्रवासिता

प्र यागराज के एक प्राचीन मंदिर में बजरंग बली की एक अनोखी मुद्रा वाली प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर में हनुमान जी लेटे हुए हैं। वैसे भारत में विभिन्न स्थानों में कई और ऐसी प्रतिमायें हैं जिनमें हनुमान जी अनोखी मुद्राओं में स्थापित हैं। ऐसा ही एक मंदिर है इंदौर के उट्टे हनुमान इस मंदिर में जो प्रतिमा है उसमें दस्ते हनुमान हैं। वर्ती दस्तावेज़ में दर्शित है।

उसमें उल्टे हनुमान हैं, वही रत्नपुर के पिरिजाबध हनुमान मंदिर में स्त्री रूप में हनुमान प्रतिमा मौजूद है। इन सबसे हट कर गुजरात के जामनगर में पवनपुरा बालक रूप में बाल हनुमान मंदिर में स्थापित हैं, इस मंदिर का नाम अनोखे स्किर्ट से जुड़ा है जो 50 साल से ज्यादा यहां लगातार गूंज रही राष्ट्रभूम के चलते बना है। ये स्किर्ट गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड स्किर्ट में भी दर्ज है। ऊर प्रदेश के प्रयागराज में हनुमान जी की प्रतिमा बाला एक छोटा किन्तु प्राचीन मंदिर है। यह एकमात्र मंदिर है जिसमें हनुमान जी लेटी हुई मुराद में हैं। यहां पर स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा 20 फीट लम्बी है। संगम किंगरो बना ये एक अनूठा मन्दिर है, जहां हनुमानजी की लेटी हुई प्रतिमा को पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि संगम का पूरा पुण्य हनुमान जी के इस दर्शन के बाद ही पूरा होता है। इस लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर के विषय में कई प्रचलित कथाएं प्राप्त होती हैं। एक के अनुसार एक बार एक व्यापारी हनुमान जी की भव्य मूर्ति लेकर जलमार्ग से चला आ रहा था। वह हनुमान जी का परम भक्त था। जब वह अपनी नाव लिए प्रयाग के समीप पहुंचा तो उसकी नाव धीर-धीर भारी होने लगी तथा संगम के नजदीक पहुंच कर यमुना जी के जल में ढूब गई। कालान्तर में कुछ समय बाद जब यमुना जी के जल की धारा ने कुछ राह बदली, तो वह मूर्ति दिखाई पाई। यह साथ प्रसादात्मक शम्पात् अस्त्रहात् का शम्पात् जल सु था।



1

अगर आप किसी ऐसी जगह जाना चाहते हैं जो भीड़भाड़ से दूर होने के साथ ही धूमने के लिहाज से भी बेस्ट हो तो इसमें आप नजारा भी बहुत ही लुभावना होता है खानपान में हर तरह की वैराग्यी नजर आती है और खास इंटीरियर के साथ लाइटिंग आपको यहां बांधे रखने का काम

پُدھُوچِری کو شامیل کرئے۔ جہاں ایتنی ساری خوبصورت جگہوں ہیں جو آپاکو بور نہیں ہونے دے گی اور ساتھ ہی آپاکے تریپ کو مجنڈار اور یادگار بھی بننا دے گی۔ تو اس شاہر کییں اُن جگہوں کے بارے میں سب سے پہلے جان لئنا جرूری ہے جنکے بینا آپاکا پُدھُوچِری کا سافر انہوں نے اپنے کام کیا۔ فرنچ ٹاٹن: جو ہریٹے ج اپنیا ہے اور اُسے کھاٹ ٹاٹن کے نام سے بھی جانا جاتا ہے۔ یہ رُنگ بیچ کے بیکلکوں پاس ہے۔ فرنچ ٹاٹن ایتنی خوبصورت ہے کہ اسکی خوبصورتی کے بارے میں کہنے سے نہیں دے�نے سے ہی پتا چلتا۔ پیلی، سفید، گردے ایسا ترتیب اپنے ایتھاں کی گاٹھا کھاتی ہے تو سڈک کینارے ہوا کے جنکے سے ہیلتوں-ڈولتوں پام کے پے ڈیکھ دیتے۔ اس کا سارا کردار ہے، یا اسکر شام کو۔ اس سا مانور مدرسی مانوں کیسی فلم کا لوکےشن سے ست کیا گیا ہے۔ یہاں میں پائی چڑھائیں کہ کہ کر رکھتا ہے۔ اُنہوں نے اپنے کام کیا۔

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, खेती की आत्मा है किसान: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के तीन दिवसीय 'पूसा कृषि विज्ञान मेले' का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

और सम्बोधे। उन्होंने कहा कि इससे पहले वे सुपारी उत्पादकों के बीच गये थे। शिवराज चौहान ने कहा कि हमें किसानों की लागत का इंतजाम भी करना है। किसान केंडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इससे फल-संबंधी के किसानों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि तीसरा कार्य है, उत्पादन का ठीक दाम देना। इसके लिए लगातार एमएसपी पर बढ़ातीरी की गई है। किसान का गेहूं, चावल तो सरकार खरीदेगी ही, मसूर उड़द, तुअर पूरी खरीदी जाएगी। इन चीजों का उत्पादन तब बढ़ेगा, जब उनको अच्छे दाम मिलेंगे। केंद्र में हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने आईसीएआर के प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी के सकल्प को पूरा करने के लिए कृषि क्षेत्र में दूसरा उपलब्धि है। वैज्ञानिक नियन्त्रण करने का लिए उत्पादन बढ़ाना, अच्छे बीज जैवायाकरण करना, बीज किसानों तक पहुंचाना शामिल है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामगाय ठाकुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमंशु पाठक, आईसीएआरआई के निदेशक डॉ. सी.ए.च. श्रीनिवास राव, उप महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अनुसंधान यात्रु, भारतीय ठाकुर, रामगाय एवं प्रशंसनीय उद्यमी, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता आदि दूसरी कम्पनी के लिए उपस्थित रहे। इन्होंने कहा कि हमारी 6 सूचीय रणनीति है। इसमें उत्पादन बढ़ाना, अच्छे बीज जैवायाकरण करना, बीज किसानों तक पहुंचाना शामिल है।

उन्होंने आपसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आज एते महान्हा हो जाता है। 300ी ट्रेनों के रेट घटे तो बाहर से आने वाले तेल पर इम्पर्ट ड्यूटी 27.5 प्रतिशत कर दी। चावल के नियर्यात पर प्रतिबंध था, हमने उसे हटाया और एक्सपोर्ट ड्यूटी कम की। शिवराज सिंह ने कहा कि देश में कोई चीज हो न हो, 5 साल, 12 महीने चुनाव की तैयारी चली रहती है। सालभर नहीं हुआ, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उदयपुर, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता आदि उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री भगवानपुर में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते में रशि भेजेंगे। रिवायार को बिहार से आने का तर्फ हो जाते हैं, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश के बीच जाएंगे, उनकी समस्याएं जानेंगे।

भारत, भूटान के बीच मित्रता व सहयोग के अनुकरणीय संबंध हैं: विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत और भूटान के बीच सभी स्तरों पर विश्वास, स्वभावना और अपरीक्षा समझ पर अधारित मित्रता और सहयोग के अनुकरणीय संबंध हैं। इसमें कहा गया है कि भूटान के प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के अनुरूप है, जो विशेष साझेदारी की एक पहचान है। भूटानी प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को यहां एसओयूपैल सम्मेलन में अपने मुख्य भाषण में मोदी को अनान बढ़ा भाई और मार्गदर्शक बताया तथा पड़ोसी देश में सार्वजनिक सेवा में बदलाव लाने में योगदान देने के लिए उनका मार्गदर्शन मांगा। तोबो ने हिंदी का भास्यारूप्रयोग किया जिस पर श्रीतांत्रियों ने जमकर तालियां बजाई। उन्होंने कहा, निसर्देह, आप में एक बड़े भाई की छाँट देखा हूं, जो सरें मेरा मार्गदर्शन करते हैं और मुझे सहयोग देते हैं। तोबो ने एसओयूपैल पहल को मोदी की परिकल्पना बतायी और कहा कि यह प्रामाणिक नेताओं को विकसित करने और उन्हें भारत के महान गणराज्य की सेवा करने के लिए सशक्त बनाने की उनकी अदृष्ट प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

तोबो ने 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' (एसओयूपैल) के पहले नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए 20 से 21 फरवरी तक भारत की अधिकारिक यात्रा की, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी ने किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के लिए एक अद्वितीय संबंध है।

तोबो ने एसओयूपैल सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोबो की साथ बैठक की। इसमें कहा गया कि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी कैव्यांश के बीच विदेश राज्य की सेवा करने के ल

